Latin maxims and terms associated with the Indian Penal Code
“Actus non facit reum nisi mens sit rea”
(The act does not constitute guilt unless done with a guilt intent./Act alone does not make a man guilty unless his intentions were so.)
“Actus me invito factus non est mens actus”
(An act done by me against my will is not my act.) Incorporated under Section 94 of the IPC.
“Crimen trahit personam”
(The crime carries the person.) Section 2 of the IPC- Intraterritorial Jurisdiction.
“Communis hostis omnium”
(They are common enemies of all). Section 4(2) of the IPC- Piracy
“De minimis non curat lex”
(Law does not notice trifles.) Incorporated under Section 95 of the IPC.
“Doli incapax”
(Incapable of understanding what is rifgt and what is wrong.), Section 82 of the IPC.
“Doli capax”
(Capable of understanding what is right and what is wrong.) Section 83 of the IPC.
“Ignorantia fact excusat”/ “Ignorantia juris non excusat”
(Ignorance of fact is excusable./ Ignorance of law is not excusable.)Sections 76 and 79 of the IPC.
“Necessitas non habet legem”
(Necessity knows no law.) Incorporated under Section 81 of the IPC.
“Furiosis furore suo punier”
(A madman is best punished by his own madness.)
“Furiosis nulla voluntas est”
(A madman has no will.)
“Furiosis absentis loco est”
(A madman is like one who is absent.)
The above three maxims are related to Section 84 of the IPC.
“Qui peccat ebrius luat sobrius”
(Let him sins when drunk be punished when sober.).Section 86 of the IPC- Voluntary drunkenness.
“Volenti non fit injuria”
(One who consents suffers no injury.) Sections 87-93 of the IPC.
“Respondeat superior”
(Let the principal answer.) Sections 154 and 155 of the IPC
भारतीय दंड संहिता के साथ लैटिन maxims और शर्तें संबद्ध
“Actus non facit reum nisi mens sit rea”
जब तक किसी अपराध के उद्देश्य से काम नहीं किया जाता है, तब तक किसी व्यक्ति को दोषी नहीं बनाया जाता, जब तक कि उसके इरादे का इरादा न हो. )
“Actus me invito factus non est mens actus”
(मेरे काम से) मेरा काम मेरे काम में न होगा ) ipc के धारा 94 के अंतर्गत शामिल किया गया.
“Crimen trahit personam”
(अपराध है). ) ipc-intraterritorial अधिकारिता का धारा 2

“Communis hostis omnium”
(ये सब के सब) दुश्मन हैं धारा 4 (2) ipc-ड़कैती का
“De minimis non curat lex”
(कानून कलापों नहीं है. ) ipc के धारा 95 के अंतर्गत शामिल किया गया.
"incapax"
(यह समझ में नहीं है कि क्या बात है) और क्या गलत है? ) ipc का धारा 82
"capax"
(यह समझने में सक्षम होता है कि क्या सही है और क्या गलत है) ) ipc का धारा 83
" ignorantia तथ्य excusat "/ " ignorantia अधिकारिता गैर excusat "
(अज्ञान का अज्ञान है./ कानून की अज्ञानता excusable नहीं है । ) भाग 76 और 79 ipc के.
“Necessitas non habet legem”
(आवश्यकता कोई कानून नहीं है. ) ipc के धारा 81 के अंतर्गत शामिल किया गया.
" उसके punier का क्रोध
(अच्छा तो) वह अपने पागलपन से बेहतर है )
“Furiosis nulla voluntas est”
(ये) वह लोग हैं जो कुछ नहीं कर रहे )
“Furiosis absentis loco est”
(ये) वह लोग हैं जो कही ग़ायब हैं )
उपर्युक्त तीन maxims से संबंधित धारा 84 से संबंधित हैं.
"क्यूड़ peccat ebrius ले ली"
जब नशे में नशा किया जाए तो उसे जब नशे में सजा दी जाए । ). Ipc-स्वैच्छिक मस्ती के धारा 86
" हम इसमें फिट नहीं करना चाहते
(जो किसी को भी चोट नहीं पहुंचाता है) ) ipc के भाग 87-93
"respondeat श्रेष्ठ"
(मुख्य उत्तर दें. ) भाग 154 और 155 ipc का